भारतीय गैर न्यायिक

भारत

दस रुपये

रु.10

TEN RUPEES

Rs.10

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

36AE 664146

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

जनरल स्टाम्प पेपर. बाबा रामचरन दास ग्रामीण विकास समिति
...[illegible]...
जिला. गोरखपुर .फाइल नं०. [illegible]3149
[illegible]...के साथ संलग्न है।

सहायक निबन्धक फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स
सत्यमेव जयते
उत्तर प्रदेश [illegible]

सहायक रजिस्ट्रार
फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स
[illegible]

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

संसोधित स्मृति पत्र

1. संस्था का नाम :"बाबा राम करन दास ग्रामीण विकास समिति
2. संस्था का पता :सिक्टौर बाज़ार,मानीराम,गोरखपुर-273007 उत्तर प्रदेश
3. संस्था का कार्यस्थल : सम्पूर्ण भारत वर्ष
4 संस्था का विजन ;हम एक ऐसे समाज की कल्पना करते है जो समानता आत्मनिर्भरता ,सामाजिक न्याय एव सबका जीवन सुखमय हो ।
5 संस्था का मिशन ;**उत्तम समुदायिक स्वास्थ्य की उपलब्धता हेतु प्रभावी पहल के साथ आजीविका विकास हेतु संगठनात्मक क्षमता -वर्धन**

6 संस्था का उद्देश्य :

1. संस्था का उद्देश्य समाज को प्रदेश के बिभिन्न जनपदों में हिंदी संस्कृत व अग्रेजी शिक्षा के
लिए बिभिन्न बर्गो के लिए प्राइमरी, जू0हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, एवं उच्च स्तर तक,
सामान्य व तकनीकी की शिक्षा का प्रबन्ध करना जिसमें भारतीय स्वावलम्बन एवं स्वदेश प्रेम
की भावना उत्पन्न हो सके। विशेष कर ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालयों की स्थापना करना ।2
समाज के बेरोजगार युवक, युवतियों, पुरूष व महिलाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण

2 प्रदान करना व अन्य संस्थाओं के साथ जुड़कर स्वरोजगार प्रदान करवाना।
विद्यार्थियों व कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास की स्थापना करना व उनका
संचालित करना।
शिक्षा की सुविधा प्रदान कर बालक एवं बालिकाओं को सचरित्र नागरिक बनाना व संस्था
हेतु यूपी बोर्ड/सीबीएसई बोर्ड/आईसीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त कर उसी पैटर्न पर
अंग्रेजी/हिन्दी माध्यम के विद्यालयों की स्थापना करना एवं उनका संचालन करना।
बालिकाओं एवं समाज के सभी वर्गो को शिक्षा से जोड़ने के लिए इण्टर कालेज,
महाविद्यालय, एवं तकनीकी विद्यालयों के साथ विश्वविद्यालय, कृषि एवं तकनीकी
विश्वविद्यालयों की स्थापना करना।

6. शिक्षा के साथ–साथ, कम्प्यूटर प्रशिक्षण, मोबाइल रिपेंरिंग, टाइपिंग, सिंलाई, कढ़ाई, बुनाई,
पेन्टिंग, संगीत, नृत्य, ब्यूटीशियन, फल संरक्षण, लेदर/रेक्सीन कला, गृह सज्जा, आचार
मुरब्बा, जेम–जेली, माचिस, पत्तल, अगरबत्ती, मोमबत्ती, मसाला, जैसे रोजगार की
जानकारी देकर बालक, बालिकाओं को स्वावलम्बी बनाना एवं जीवनोपयोगी वस्तुओं की
जानकारी हेतु प्रशिक्षण, रोजगार प्राप्ति के लिए रोजपरक प्रशिक्षण शिवरों सरकारी/गैर
सरकारी सहयोग से कियान्वयन करना।

7. सभी वर्गो, जाति, धर्म, के लोगों को बिना भेदभाव किये रोजगार परक शिक्षा देने हेतु
आई0टी0आई0, पालीटेक्निक, इंजीनियरिंग, मेंडिकल, पैरामेडिकल एवं अन्य तकनीकी व
उच्च शिक्षा हेतु शिक्षण संस्थाओं की स्थापना करना व संचालन करना।

सहायक रजिस्ट्रार
फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स
गोरखपुर (उ0 प्र0)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

8. पर्यावरण, वृक्षारोपण, प्रदूषण, प्रौढ़ शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, साक्षारता मिशन, कार्यक्रमों का प्रचार व प्रसार करना, स्वय सहायता समूहो का गठन करना व इसके बारे मे जानकारी देना।

9. आदिवासियों, पिछड़े वर्गो गरीबो, कारीगरो, शिल्पियों, महिलाओं, बच्चों विकलांगों का उत्थान करना उन्हे विकसित करना। इसके लिए विभिन्न कार्यक्रमों को संगठित करना तथा वे समस्त कार्य करना जिससे इनका अधिक से अधिक हित हो।

10. प्राकृतिक आपदा, दुर्घटना, बाढ़, सूखा तथा युद्ध के समय राहत कार्य करना/~~इनके स्थाई निराकरण का उपाय करना~~ तथा इस विषय मे अध्ययन शिक्षण/प्रशिक्षण व शोध की व्यवस्था करना वे समस्त कार्य करना जिससे इनका निराकरण व रोकथाम हो सकें।

11. नशाखोरी, साम्प्रदायिकता एवं युद्ध की विभीषिका के प्रति जनचेतना को जागृत करना। इसके लिए जनसामान्य को शिक्षित/प्रशिक्षित करना वे समस्त कार्य करना जिससे इनकी विभीषिका से समाज को बताया जा सके।

12. अनुपयोगी भूमि, वन, पर्यावरण, कृषि, बागवानी, कृषि वानिकी व उद्यान विकास कार्यो को बढ़ावा देना तथा इनके अध्ययन शिक्षण/प्रशिक्षण व शोध की व्यवस्था करना और वे समस्त कार्य करना जिससे इनका अधिक से अधिक विकास व प्रचार–प्रसार हो सकें।

13. विधि, विज्ञान, साहित्य, कला, खेल–कूद, पुस्ताकलयों, संग्रहालयों, वाचनालयो, अभिव्यक्ति के माध्यमों को विकसित करना। इनसे सम्बंधित विभिन्न कार्यक्रमों को संयोजित करना एवं उसे सुचालित करना तथा वे समस्त कार्य करना जिससे वे जन सामान्य के लिए अधिक से अधिक उपयोगी हो सकें।

14. ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों की आर्थिक औद्योगिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, यांत्रिकी, शैक्षिणिक व सामाजिक विकास करना। इसके लिए विभिन्न कार्यक्रमों तथा इकाईयों को संगठित–संचालित एवं स्थापित करना।

15. उद्देश्य की पूर्ति के लिए विभिन्न वित्तीय तथा गैर वित्तीय संस्थाओं, सरकारों, राष्ट्रों तथा व्यक्तियों से ऋण, चल एवं अचल सम्पत्ति का सहयोग प्राप्त करना। व बैंक की सभी योजनाओं के लिए अभियान चलाकर प्रशिक्षित कराना। अन्य किसी प्रकार के वित्तीय या गैर वित्तीय सहयोग से कार्य करना जो उचित एवं वैध हो।

16. समाज के पिछड़े एवं दलित वर्ग के लोगों को साक्षर बनाने के लिए प्रदेश के विभिन्न जनपदों मे हिन्दी, उर्दू, संस्कृत, अंग्रेजी तथा भारतीय प्रादेशिक भाषा के विभिन्न पाठ्यकम के प्रौढ़ शिक्षा अनौपचारिक शिक्षा, एवं प्राथमिक स्तर से लेकर जूनियर हाईस्कूल, हाईस्कूल, इण्टर, डिग्री व पोस्ट ग्रेजुएट स्तर के शैक्षिक संस्थाओं की स्थापना करना एवं संचालन करना।

17. समाज के बीमार व असहाय लोगों कों चिकित्सीय सुविधा प्रदान कराना, उनके स्वास्थ्य की जांच कराना, तथा जगह–जगह पर मेडिकल कैम्प लगारकर दवाईयों का निःशुल्क वितरण कराना।

18. समाज के पिछड़े शोषित व निर्बल वर्ग के लोगों के उत्थान हेतु कम्प्यूटर शिक्षा एवं उपयोगी ज्ञान का प्रचार–प्रसार करना तथा सामान्य जन में चेतना जागृत करना सर्वांगीण विकास के लिए पुस्तकालय एवं वाचनालय की स्थापना करना।

सहायक रजिस्ट्रार
फर्म सोसाइटीज एवं चिट्स
गोरखपुर (उ० प्र०)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

19. समाज मे व्यवसाय परक कम्प्यूटर शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सभी प्रकार के शिक्षा सम्बन्धी एवं बिजनेस मैनेजमेंट, कम्प्यूटर शिक्षा (साफ्टवेयर/हार्डवेयर) सम्बन्धी सभी आवश्यक कालेजो की स्थापना करना।

20. सास्कृतिक गतिविधियों का संचालन एवं सांस्कृतिक प्रदूषण के विरूद्ध जनमानस तैयार करना।

21. अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति सद्‌भाव कायम करने का प्रयास करना।

22. अनाथालय, वृद्धाश्रम, महिला संरक्षण गृह, छात्रावास, कुष्ठ सेवाश्रम, टी0बी0 अस्पताल आदि जैसे संस्थाओं की स्थापना एवं संचालन करना।

23. नारी अत्याचार, (दहेज, यौन प्रहार, यौन शोषण, महिला हिंसा,)जेंडर गत भेदभाव तथा बालश्रम के विरूद्ध चेतना जागृत करना एवं न्याय दिलाना।तथा सामाजिक पैरोकारी के लिए प्रेरित करना

24. शिक्षण संस्थाओं मे वाद–विवाद सेमीनार, गोष्ठियों, पुस्तकालय, वाचनालय प्रौढ़ शिक्षा अनौपचारिक शिक्षण कार्यकम चलाना।

25. दलित असहाय तथा निर्धन वर्गो के सर्वागीण विकास के लिए सरकारी/गैरसरकारी कार्यक्रमों का संचालन करना।

26. असहाय व्यक्तियों व लाइलाज रोगियों (कुष्ठ, एड्स, टी0बी0, पोलियो आदि) की सहायता एवं उपचार करना तथा इसके बारे में चेतना जागृत करना।

27. विकलांगो, मूक, बधिर, दृष्टिहीन की सहायता करना तथा उन्हें शिक्षित करने हेतु शिक्षण संस्थाओं की स्थापना एवं संचालन करना।

28. सरकार की नीतियों को पिछड़े तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, वर्गों में प्रचार करना तथा उन्हें व्यवसायिक प्रशिक्षण देकर स्वालम्बन की दिशा में आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करना।

29. प्रदेश विकास योजनाओं के प्रचार–प्रसार के लिये योजना प्रर्दशनी मेले आदि का आयोजन करना तथा बेरोजगारी दूर करने के लिए उद्यमिता प्रशिक्षण शिवरों का आयोजन करना।

30. कुटीर उद्योगों, लघु ग्रामोद्योग एवं लघु उद्योग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन तथा स्थापना करके बेरोजगारों को स्वालम्बी बनाना।

30. वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता के कार्यक्रम चलाना।

31. वायोकेमिक, औषधीय एवं वानिकीय तथा अन्य प्रकार के रासायनिक एवं औषधीय उपयोग किए गए वृक्षों का उत्पादन, विपणन एवं इससे सम्बंधित सेवाएं प्रदान करना।

32. भूमि संरक्षण, भूमि एवं जल संस्थान विकास एवं जलगम प्रबंध करना।

33. जल संग्रहण क्षेत्र में कृषि योग्य एवं अयोग्य भूमि का उपचार तथा अधिकतम पैदावार सुनिश्चित करना।20 सम्पूर्ण विकास हेतु कृषि की उत्पाद क्षमता तथा रोजगार सृजन की दिशा मे ग्रामीण व्यवसाय केन्द्र की स्थापना सहित शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छ जल आपूर्ति तथा स्वच्छता सेवाओं का कार्यनीति बनाना तथा कियान्वित करना।

34. स्पेशल ग्रीन कोर, पर्यावरण व वन मंत्रालय तथा क्षेत्रीय सन्दर्भ एजेंसियों राज्य विज्ञान एवं प्राद्योगिकी परिषद, केन्द्रीय जल आयोग, केन्द्रीय भू–जल बोर्ड, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,जल जीवन मिशन आदि के समन्वय से पेयजल एवं स्वच्छता स्वजलधारा, हरियाली कार्यकम के

सहायक रजिस्ट्रार
फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स
कानपुर (उ0 प्र0)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

अन्तर्गत पंचायती राज संस्थाओं द्वारा जल, नदी, नालों तथा स्नानों घाटों और गंदी बस्तियों की सफाई हेतु प्रयास करना।

35. पंचायती राज प्रतिविधियों एवं अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य के प्रति संवेदित करना तथा पंचायती राज को ग्राम स्तर पर प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य के कार्यक्रम स्वयं बनाने एवं चलाने हेतु सशक्त करना।

36. ग्राम पचायतों को जागरूक करना, प्रशिक्षण देना सहभागिता करना ताकि सरकार के मंशा के अनुरूप ग्राम पंचायतें सशक्त होकर स्वयं विकास कर सकें।एव ग्राम स्वराज की स्थापना हो सके।

37. केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड, जनशिक्षण संस्थान, राष्ट्रीय श्रम संस्थान तथा इससें सम्बन्धित विभागों के कार्यकमों में सहभागिता एवं संचालन करना।

38. प्राकृतिक आपदाओं से दुख तकलीफों का नवीनीकरण की दिशा में आपदा पूर्ण, आपदा के समय, आपदा पश्चात प्रौद्यौगिकी आधारित आपदा जानकारी नेटवर्क की स्थापना तथा जन, जीव जन्तु, प्राकृतिक कल्याणकारी आपदा प्रबंधन सम्बंधी गतिविधियों का संचालन करना।

39. खादी कमीशन, खादीग्रामोद्योग बोर्ड के गतिविधियों/कार्यकमों का संचालन करना, केन्द्र स्थापित करना खादी का उत्पादन करना।

40. बाल पुष्टाहार व गर्भवती महिलाओं तथा नवजात शिशुओं एवं उनकी माताओं का संरक्षण एवं जानकारी देना।

41. परिवार कल्याण कार्यक्रमों एवं स्वास्थ्य कार्यकमों को गॉव में व्यापक स्तर पर निःशुल्क संचालित करना, टीकाकरण करना, पल्स पोलियो, हैपेटाइटिस, फाईलेरिया, मलेरिया, टी0वी0, एड्स, इसेफेलाटिस, कुष्ठ, व अन्य क्षेत्रिय बीमारियों के रोक थाम के लिए प्रचार–प्रसार व जानकारी देना तथा निःशुल्क दवाओ का वितरण करना तथा इनसे सम्बन्धित देशीय विदेशी संस्थाओं, विभागों के द्वारा संचालित कार्यकमों में सहभागिता एवं कियान्वयन करना।

42. रक्त दान शिविर स्वास्थ्य मेलों का आयोजन करना तथा ब्लड बैंक की स्थापना करना।

43. मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सामाजिक अधिकारिता मंत्रालय, युवा कल्याण एवं खेल मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय तथा उ0 प्र0 सरकार, भारत सरकार व राज्यों व सरकारों और विदेशी संगठनों द्वारा एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय के द्वारा चलायी जा रहीं योजनाओं की जानकारी देना तथा उनके कार्यकमों को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करना।

44. बाल विकास एवं बाल चिकित्सा हेतु यूनिसेफ, डब्लू०एच०ओ०,आई0एल0ओ0 यूनोडो, सिडवी, नाबार्ड, कपार्ट, यूनिफेम, एवं सरकारी एवं गैरसरकारी संगठनों की योजनाओं का प्रचार प्रसार व कियान्वयन करना।

45. भारत सरकार व उ0प्र0 सरकार के विभिन्न मंत्रालयों तथा सरकारी व गैर सरकारी संगठनों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यकमों का प्रचार–प्रसार व कियान्वयन।

46. रेशम उद्योग, शहतूत, वृक्षारोपण, पशुपालन तथा मधुमक्खी पालन जैसे विभिन्न योजनाओं का ग्रामीण क्षेत्रों मे प्रचार–प्रसार करना।

सहायक रजिस्ट्रार
फर्म सोसाइटीज एवं चिट्स

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner